तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संधोल

विद्यालय पत्रिका

(2023-24)

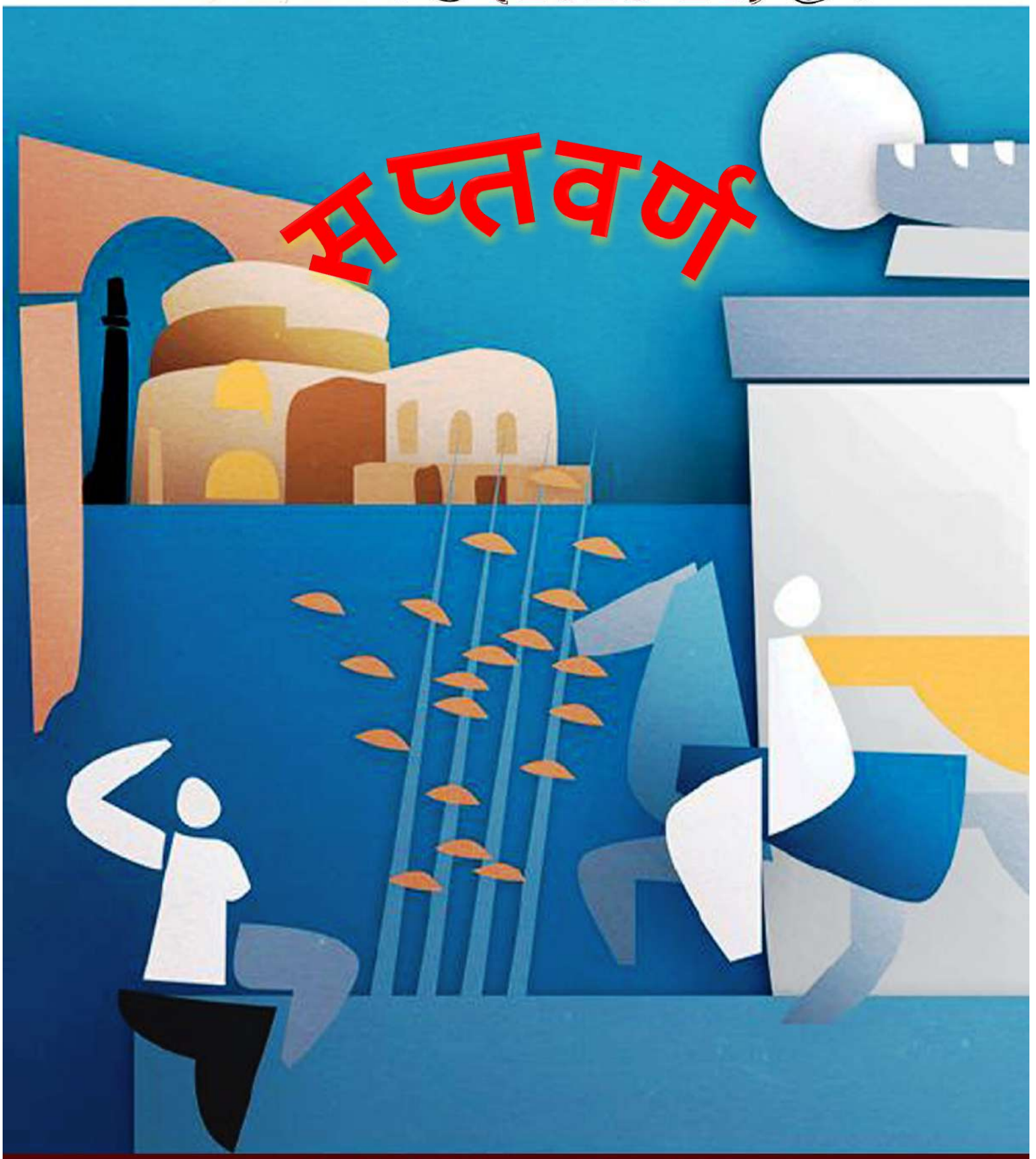

Phone No. : 01905-273144 E-mail: kvsandhole@gmail.com
Website : https://sandhol.kvs.ac.in/

विषय सूची

क्र.स.	विषय
1	हमारे संरक्षक
2	आयुक्त महोदया का संदेश
3	उपायुक्त महोदय का संदेश
4	प्राचार्या महोदया का संदेश
5	संपादक मंडल
6	संपादक की कलम से
7	वार्षिक प्रतिवेदन
8	हिन्दी आलेख
9	जन्माष्टमी उत्सव और पितामह दिवस की झलकियाँ
10	संस्कृत आलेख
11	भारत स्काउट एवं गाइड
12	एक भारत श्रेष्ठ भारत की झलकियाँ
13	अंग्रेजी आलेख
14	खेल कूद दिवस एवं अन्य गतिविधियों की झलकियाँ
15	विज्ञान विभाग आलेख
16	विज्ञान दिवस एवं अन्य गतिविधियों की झलकियाँ
17	गणित विभाग आलेख
18	गणित विभाग की गतिविधियों की झलकियाँ
19	कंप्यूटर विभाग आलेख
20	पुस्तकालय विभाग
21	NIPUN सम्मलेन
22	उपलब्धि प्राप्तकर्ता विद्यार्थी एवं कक्षा दसवीं एवं बारहवीं का समूह चित्र

हमारे संरक्षक

श्रीमती निधि पांडे

आयुक्त

श्री वरुण मित्र

उपायुक्त

श्री संजीत कुमार **सहायक आयुक्त**	**श्री प्रीतम सिंह** **सहायक आयुक्त**	**श्री दीदार सिंह** **सहायक आयुक्त**	**श्री भूपेश भट्ट** **सहायक आयुक्त**

श्रीमती निधि पाण्डे

आयुक्त

संदेश

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की हीरक जयंती के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। शिक्षा के लिए समर्पित साठ वर्षों की यात्रा का यह उत्सव हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है, और हम सबको कृतज्ञता के भाव से भर देता है। हमें गर्व है कि हम सबने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अपना हरसंभव योगदान दिया है।

हीरक जयंती सिर्फ इन 60 वर्षों के सफर का ही नहीं, अपितु यह हमारे शिक्षकों, कर्मचारियों, और विद्यार्थियों के समर्पण एवं परिश्रम का परिचायक है। एक संस्थान के रूप में केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षा के क्षेत्र में एक दीपक की भांति प्रकाशित है। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि 60 वर्षों की इस दीर्घ यात्रा के दौरान हमारे केन्द्रीय विद्यालय अनगिनत जिंदगियों में सकारात्मक बदलाव लाए हैं।

संगठन की इस अद्भुत सफलता के पीछे हमारे शिक्षकों, अधिकारियों और सभी सदस्यों का बहुमूल्य योगदान रहा है। आपके संघर्ष, समर्पण और साझेदारी के बिना, यह सफलता संभव नहीं थी। आज हम गर्व से यह कह सकते हैं कि हमने उस संकल्प को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाया है जिसे लेकर केन्द्रीय विद्यालय संगठन की नींव रखी गई थी। इस संगठन ने सर्वदा विद्यार्थियों का एक बेहतर भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन किया है। आज, जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो संगठन के प्रत्येक हितधारक के समर्पण और सहयोग का आभास होता है।

सफलता के इस शिखर तक पहुंचने में केन्द्रीय विद्यालय संगठन से जुड़े प्रत्येक सदस्य का योगदान सराहनीय है। मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के इस स्वरूप को गढ़ने के लिए अपने वर्तमान और पूर्व शिक्षकों को विशेष रूप से हार्दिक बधाई देती हूँ।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि सेवा और समर्पण का यह सफर अनवरत जारी रहेगा।

अनेक शुभकामनाओं सहित,

(निधि पाण्डे)

आयुक्त

तत्कर्म यन्न बंधाय सा विद्या या विमुक्तये।
आयासायापरम कर्म विद्यान्या शिल्पनैपुणम।।
- श्री विष्णुपुराण

अर्थात जो बंधन उत्पन्न न करे वही कर्म है जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे वह विद्या है।शेष कर्म परिश्रमरूप है तथा अन्य विद्यायें तो मात्र कला कौशल ही है।
भारतीय ऋषिमुनियों व मनीषियों ने ज्ञान (विद्या) को मनुष्य की मुक्ति का साधन कहा है। मनुष्य को भय-, भूख, दुर्विकार , दुष्प्रवृतियाँ, दुराचरण, निर्बलता, दीनता व हीनता, रोग, शोक इत्यादि से मुक्ति की अभिलाषा अनंतकाल से है। श्रीविष्णुपुराण का उपरोक्त महावाक्य यही संदेश देता है कि मनुष्य को ज्ञान के द्वारा अपने समस्त क्लेशों से मुक्ति पाने का पुरुषार्थ करना चाहिए । विद्या त्याग और तपस्या का सुफल होता है इसलिए ज्ञान की उपलब्धि सदैव श्रमसाध्य है।

आइये, हम सभी अनुशासित होकर, समर्पण भाव से समस्त उपलब्ध साधनों का मर्यादापूर्वक उपभोग करते हुए ज्ञानार्जन का सद्प्रयास करें। अपनी दिनचर्या में उचित आहार , विहार और विचार का समावेश करते हुए व्यक्ति के रूप में प्रकृति प्रदत्त अनंत संभावनाओं को ज्ञान की पवित्र ऊर्जा के आलोक में पल्लवित व पुष्पित करें।

हम सभी कृष्ण यजुर्वेद के तैत्रीय उपनिषद के इस सूत्र का प्रतिदिन अपने विद्यालयों में प्रातकालीन प्रार्थना सभा : में सस्वरपाठ करतेहैं-:

ॐ सह नाववतु सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यम करवावहै।
तेजस्वि नावधीतमस्तु मा विद्विषावहै, ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

आइये, इस सूत्र में छुपे महान संदेश को समझें और अपने जीवन में आत्मसात कर अपना नित्य कर्म करें । मैं, गुरुग्राम संभाग के समस्त प्राचार्यों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों व कार्मिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ और एक सफल व सुखद भविष्य की कामना करता हूँ ।

(वरुण मित्र)
उपायुक्त, गुरुग्राम संभाग,

Dear Students, Teachers, and Parents,

It brings me immense joy and pride to introduce the publication of our Vidyalaya magazine. This publication is a testament to the collective efforts, creativity, and achievements of our entire school community.

As we leaf through the pages of this magazine, we are reminded of the talent, dedication, and passion that define our Vidyalaya. From insightful articles and thought-provoking essays to captivating artwork and memorable photographs, each contribution reflects the unique spirit and diversity of our students and staff.

I would like to express my gratitude to all the students who poured their heart and soul into creating content for this magazine. Your enthusiasm, creativity, and commitment to excellence shine through in every word, image, and idea presented here.

A special acknowledgment goes to our teachers and staff who guided and supported our students throughout the process of compiling this magazine. Your mentorship and encouragement have played a pivotal role in nurturing the talents of our students and bringing their ideas to life.

To the parents, thank you for entrusting us with the education and development of your children. Your support, encouragement, and partnership are invaluable as we work together to create a positive and enriching learning environment.

This Vidyalaya magazine is not just a reflection of our past achievements but also a testament to the potential and promise of our future endeavors. Let it serve as a source of inspiration, motivation, and pride for each member of our school community.
I congratulate everyone involved in the creation of this magazine and encourage all of you to continue exploring your passions, expressing your creativity, and striving for excellence in everything you do.

Wishing you all continued success, growth, and fulfillment in the journey ahead.

Warm regards,

(Dheeraj Kaushal)
Principal
K.V Sandhol

संपादक मण्डल(Editorial Team)

1. मुख्य संपादक (Chief Editor)

- मनजीत सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षक,हिंदी

श्रीमती प्रीति सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षिका, कंप्यूटर विज्ञान

2. सहायक संपादक (Associate Editor):

1. श्रीमती पूनम परशीरा, स्नातकोत्तर शिक्षिका, अंग्रेजी
2. श्री विकास पाठक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत
3. श्रीमती पूनम ठाकुर, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका, अंग्रेजी
4. सुश्री वैशाली भारती, प्राथमिक शिक्षिका

3. छात्र संपादक मंडल

1. कृष मंधोत्रा , कक्षा 11वीं
2. अक्षित मंधोत्रा, कक्षा 11वीं
3. ईशा, कक्षा 11वीं

4. तकनीकी सहयोग

1. श्री सत प्रकाश , प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, कला

संपादक की कलम से:

प्रिय साथियों,

यह एक अत्यंत उत्साहजनक पल है जब हम आपके सामने विद्यालय पत्रिका के नवीनतम संस्करण के साथ हाजिर हो रहे हैं। इस संदर्भ में, मुझे आपके साथ अपने विचारों को साँझा करने का आनंद मिल रहा है।

हमारे विद्यालय में अनेक उत्कृष्ट कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया है, जिनमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस पत्रिका में, हमने उन सभी कार्यक्रमों की एक जीवंत झलक प्रस्तुत की है, जो हमारे विद्यालय के निरंतर विकास और प्रगति का प्रमुख स्रोत हैं।

साथ ही, हमारे विद्यालय के छात्रों की उपलब्धियों का समर्थन करने के लिए, हमने उनके द्वारा लिखी गई कविताएँ, लेख, और चित्रों को भी इस पत्रिका में शामिल किया है।

इस पत्रिका को तैयार करने में संचालन समिति के सदस्यों और लेखकों की मेहनत और योगदान का बहुत महत्व है। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने इस पत्रिका को एक सफल और प्रेरणादायक संगठन में बदलने में मदद की है।

आप सभी से अनुरोध है कि इस पत्रिका को ध्यान से पढ़ें और हमें अपनी प्रतिक्रिया और सुझावों के लिए संपर्क करें। आपकी भावनाओं और विचारों को समझना और सुनना हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

धन्यवाद,

मनजीत सिंह,परा स्नातक शिक्षक, हिंदी

[केंद्रीय विद्यालय संधोल]

वार्षिक प्रतिवेदन

"शिक्षा वो है जिसके द्वारा किसी भी इंसान का शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से विकास होता है।"

केन्द्रीय विद्यालय संधोल एक ऐसा शैक्षिक संस्थान है जो सभी प्रकार की गतिविधियों में विद्यार्थियों को केंद्र बिंदु के रूप में रखता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन, गुरुग्राम संभाग में के०वि० संधोल एक ऐसा विद्यालय है जो विद्यार्थियों को उत्तरोत्तर प्रगति, उनकी सृजनात्मक क्षमता ,उनके भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा विद्यालय बच्चों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए सुव्यवस्थित शैक्षणिक कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ-

सत्र 2022-23 में कक्षा प्रथम से आठवीं तक शत प्रतिशत एवं 9वीं एवं ।।वीं का परिणाम क्रमशः 89.74 एवं 82.6 प्रतिशत रहा। कक्षा 10वीं में अंबिका ने 91.60 % अंक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया वहीं सक्षम शर्मा ने 90.40% तथा कृश धीमान ने 87.00% अंक अर्जित किए।

विज्ञान प्रयोगशाला

केंद्रीय विद्यालय संधोल की विज्ञान प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। संगठन द्वारा प्रौद्योगिकी संचालित प्रयोगों एवं श्रेष्ठता का प्रदर्शन करके वैज्ञानिक अनुसंधान का अनुकरण करने हेतु विद्यार्थियों के बीच रूचि पैदा करने की दिशा में यह एक कदम उठाया है।

कंप्यूटर लैब

केंद्रीय विद्यालय संधोल में आधुनिक प्रोद्यौगिकी से सुसज्जित कंप्यूटर लैब द्वारा विद्यार्थियों को सूचना प्रोद्यौगिकी के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है| प्रयोगशाला स्मार्ट बोर्ड एवं स्मार्ट टेलीविजन से भी सुसज्जित है

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ-

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं। ये गतिविधियाँ भावी पीढ़ी को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करती हैं और अलग-अलग क्षेत्र में अभिरूचि रखने वाले विद्यार्थियों के हुनर को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। यह वह मंच है जहाँ विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, उनके हुनर, उनकी कला को नए पंख मिलते हैं। हमारे विदयालय में समय-समय पर विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं जो इस प्रकार हैं-

एक भारत श्रेष्ठ भारत-

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेश के लोगों के मध्य उनके युग्म बनाकर बातचीत को बढ़ाने और पारस्परिक समझ को बढ़ावा देना है। के.वि.संधोल में वर्ष भर आंध्र प्रदेश राज्य की संस्कृति, रीति रिवाजों, पहनावे, उद्योग, अर्थव्यवस्था, जलवायु और भाषा आदि से परिचित होने के लिए विभिन गतिविधियाँ आयोजित की गई जैसे- भाषा, संगम्, तेलुगू भाषा में शपथ, विषयानुसार बोर्ड साज-सज्जा, परियोजना कार्य, प्रदर्शनी, एकल गायन, सामूहिक नृत्य इत्यादि। संकुल स्तरीय कला उत्सव- प्रतियोगिता में लोक नृत्य(लड़की समूह) में सिया ठाकुर ,कक्षा ग्यारहवीं ने तृतीय स्थान,लोक गीत(लड़की समूह) में पलक,कक्षा ग्यारहवीं ने तृतीय स्थान एवं एकल गायन(शास्त्रीय) में अरमान शर्मा, कक्षा दसवीं ने द्वितीय स्थान अर्जित किया वहीं एक भारत,श्रेष्ठ भारत के तहत हमीरपुर में आयोजित संकुल स्तरीय समूह नृत्य एवं समूह गान प्रतियोगिताओं में विद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया|

कला उत्सव गतिविधियाँ-

कला उत्सव विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को निखारने और शिक्षा में कला को बढ़ावा देने के लिए एक पहल है। उपसंभागीय व संभागीय स्तर पर कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत-स्वर संगीत (शास्त्रीय), पारम्परिक लोक वाद्य, शास्त्रीय वाद्य संगीत, पारम्परिक लोक वायू, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य दृश्य कला-2 डी, दृश्य कला-3 डी, देशो खिलौने और खेल में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज|

आजादी का अमृत महोत्सव-

आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है जो प्रगतिशील भारत के 75 साल और इसके लोगों

संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने और स्मरणीय बनाने के लिए है। आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च 2021 को शुरु हुई जो इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए प्रार्थना सभा में विशेष कार्यक्रम, सामूहिक गायन, सामूहिक नृत्य, काव्य पाठ नाट्य प्रस्तुतीकरण, संविधान दिवस, शिक्षा दिवस, गांधी जयंती, जागरूकता रैली इत्यादि ।

एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध-

पर्यावरण और स्वास्थ्य को होने वाले खतते को देखते हुए राष्ट्र से एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की मुहिम चलायी गई। विद्यार्थियों के बीच जागरूकता लाने और उन्हें अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और परिसरों को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में काम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए।

एक विद्यार्थीः एक वृक्ष अभियान-

हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि वृक्ष जीवन के अविभाज्य प्रतीक है इसलिए विद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों द्वारा विद्यालय परिसर और अपने घरों में वृक्षारोपण किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा-

विद्यालय में । सितम्बर से 15 सितम्बर तक स्वच्छ भारत मिशन के तहत विद्यालय को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता विद्यालय अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत स्वच्छता शपथ, श्रम दान, पोस्टर निर्माण, वाद-विवाद जागरूकता रैली, निबंध प्रतियोगिता, हस्त प्रक्षालन दिवस, व्यक्तिगत स्वच्छता दिवस आदि गतिविधियाँ आयोजित की गई।

हिन्दी एवं हिंदी पखवाड़ा-

विद्यालय में 14 सितम्बर से हिन्दी पखवाड़ा की शुरुआत की गई। हिन्दी को राजभाषा के रूप में अपनाते हुए विद्यालय में अधिक से अधिक हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत सुलेख, श्रुतलेख, निबंध, वाद विवाद, भाषण, काव्य पाठ, कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।युवराज ठाकुर,कक्षा पांचवीं ने अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियार्ड द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त किया|

शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा-

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ खेल कूद संबंधी गतिविधियों भी आयोजित की जाती हैं। जैसे योग दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, दौड़ प्रतियोगिता आदि। संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में 46 खिलाडियों ने विभिन्न खेलो में भाग लिया जिसमें 2 स्वर्ण पदक,3 रजत पदक एवं 1 कांस्य पदक विद्यालय को प्राप्त हुए| चार छात्रों ने केंद्रीय विद्यालय राष्ट्रीय खेळकूद प्रतियोगिता में सहभागिता की| फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत पूरे विद्यालय ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। फिटनेस की डोज; आधा घंटा रोज, के अंतर्गत सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा अपने स्वास्थ्य की और ध्यान देने का संकल्प किया। इसके साथ ही प्लोग रन के माध्यम से स्वच्छता और स्वस्थता की संकल्पना को जोड़ा गया।

भारत स्काउट गाइड

विद्यार्थियों में सामूहिक भावना का विकास करने ,नवाचार को बढ़ावा देने,खेल के माध्यम से शिक्षा,सहयोग एवं राष्ट्र निर्माण एवं जागरूप नागरिक के निर्माण के उद्देश्य से विद्यालय में भारत स्काउट एवं गाइड अभियान संचालित हो रहा है| जिसमें कक्षा तीसरी से पांचवी वर्ग में 24 कब्स एवं 13 बुलबुल पंजीकृत हैं वहीं 24 स्काउट एवं 25 गाइड्स अपनी सेवा दे रहे हैं|

हिंदी

लिखें. पढ़ें. बोलें. गर्व करें.

नाचता मोर

नाचता मोर सबको सुहाता।
नाच-नाच के अपने पंख फैलता।
आवाज करके यह शोर मचाता है।
उड़-उड़ कर नाच दिखाता।
अपने पंखों से यह सब का मन बहलाता।
भारत का राष्ट्रीय पक्षी कहलाता।
कभी-कभी हवा में उड़ जाता है।

विशांत शकलानी, कक्षा:दूसरी

किताबें

मेरे पास बहुत सी किताबें,
रंग- बिरंगी हैं ये किताबें,
पढ़ने में आ जाता मजा,
कभी-कभी नींद आ जाती,
पर फिर भी मैं पढ़ती जाती,
खेलती कम, पढ़ती ज्यादा,
मुझे किताबें ज्ञान देती,
हर जगह वह काम आती,
परीक्षा में कुछ आ जाता,
मुझे है पास कराती,
किताबें हैं दोस्त मेरी बहुत अच्छी,
इसलिए वो दुनिया की सैर कराती।

मान्या ठाकुर,
कक्षा: दूसरी

देखो हम आये चिड़ियाघर,
देखने में ये है सुन्दर घर ।

देखने में इसके पेड़ बहुत अच्छे,
आते यहाँ पर बहुत से बच्चे।

हमको चिड़ियाघर जाना हैं,
मज़े करके आना है।

क्या तुम्हे चिड़ियाघर जाना लगता अच्छा?
में तो जाऊँगा क्योंकि में हूँ एक बच्चा ।

केशव पाठक, कक्षा - तीसरी

दादा का चश्मा गोल गोल,
दादी की बिंदी गोल गोल,

पापा के पैसे गोल गोल,
मम्मी की रोटियां गोल गोल,

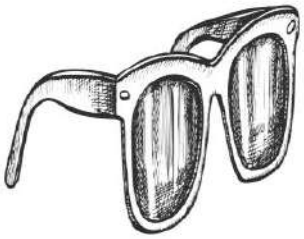

भैया का टिफन गोल गोल,
बहन की बोतल गोल गोल,

में भी गोल, तू भी गोल,
सारी दुनिया गोल मटोल।

कार्तिक शर्मा, कक्षा - तीसरी

विद्यालय पर कविता

विद्या का भंडार हैं जहां,
इससे बेहतर जगह हैं कहाँ?
ज्ञान की यहाँ कमी नहीं,
गुरु का हैं आर्शीवाद यहाँ ।
जन्नत हैं वहाँ विद्यालय हैं जहाँ।

- कार्तिक, कक्षा 4

प्रकृति

प्रकृति हमारी वास्तविक माँ की तरह की होती है जो हमे कभी नुकसान नहीं पहुंचती बल्कि हमारा पालन-पोषण करती है । सुबह जल्दी प्रकृति के गोद में टहलने से हम स्वस्थ और मजबूत बनते है साथ ही ये हमे कई सारी घातक बीमारियाँ जैसे डायबीटीज, हृदय घात, उच्च रक्त चाप, लीवर संबंधी समस्या, दिमागी समस्याओं आदि से भी दूर रखता है ।

- मन्नत शर्मा, कक्षा 4

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाएं,
सही तरह चलना सिखाए।
माता पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

आपको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी राह न दूर जिससे,
वह मेरा पथ दर्शक है जो।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, तब भी है धीर,
स्वभाव से सदा गंभीर।
मन में दबा रहे थे इच्छा,
काश! मैं उस जैसा बन पाता।
वह जो मेरा शिक्षक कहलाता।

नाम सिंचिन , कक्षा दसवीं।

कविता

सूरज की किरणों सा ज्ञान प्रकाश है खिला,
विद्या के पंखों पर हर ख्वाब है सिला।
शिक्षा की दुनिया रोंगटों सी सजी,
ज्ञान का सागर रहें, हमेशा बहा।

विद्यार्थीनी और विद्यार्थियों का संघ,
मिलकर बनाएं हम एक नया संगीत।
छाया हो सदा गुरुकुल सी साक्षात,
मगज में भरी हो आत्मा, हर कदम उसका हकीम।

पतझड़ भी आए लेकिन फिर आए बहार,
शिक्षा की मिसाल हमारे दिलों का इशारा।

यही है हमारा स्कूल, यही है हमारा गाना,
सब मिलकर बनाए एक सुंदर सपना सुहाना।

हिंदी भाषा

भारत कई राज्यों का देश है। यहाँ अलग अलग प्रांतों में अलग अलग भाषा बोली जाती है। जिनमें देश के सबसे बड़े हिस्से में हिंदी बोली जाती है। हिंदी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, बिहार और कई अन्य राज्यों की बोली जाने वाली भाषा है। 1947 में आजादी के बाद संविधान बनाया गया था। विचारशील संविधान निर्माताओं ने इस विषय पर गंभीरता से विचार किया और वे इस निर्णय पर पहुंचे कि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो राष्ट्रभाषा के महत्वपूर्ण स्थान पर अलंकृत होने की क्षमता रखती है। क्योंकि इस भाषा को बोलना और समझना अन्य भाषा की तुलना में सरल है। हिंदी भाषा बोलने वालों की संख्या देश में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा हिंदी भारत की अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को करीब लाने में सक्षम है। इस भाषा का एक विस्तृत और उन्नत साहित्य है और संस्कृत का उत्तराधिकारी होने के कारण यह भारतीय धर्म, संस्कृति और रीति -रिवाजों आदि को व्यक्त करने में सक्षम हो सकती है।

वृषभ शर्मा, कक्षा दसवीं।

सवेरा

सूरज निकला मिटा अंधेरा,

देखो बच्चों हुआ सवेरा।

आया मीठी हवा का फेरा,

चिड़िया ने फिर छोड़ा बसेरा।

जागो बच्चों, अब मत सोओ!

इतना सुन्दर समय न खोओ।

नयशा। कक्षा आठवीं

कविता

क्या खोजते हो दुनिया में?

जब सब कुछ तेरे अंदर है।

क्यों देखते हो औरों में?

जब तेरा मन ही दर्पण है।

दुनिया बस एक दौड़ नहीं।

तू अश्व है न धावक,

रुककर खुद से बातें कर लें।

अंतर मन को शांत कर ले।

सपनों की गहराई समझो,

अपने अंदर की अच्छाई समझो।

स्वाध्याय की आदत डालो,

जीवन को तुम खुलकर जी लो।

आलस्य तुम्हारा दुश्मन है, तो,

पुरुषार्थ को अपना दोस्त बना लो ।

जीवन का ये रहस्य समझ लो।

और खुशियों से तुम नाता जोड़ों।

दिवाकर कक्षा नवमी।

1. मरीज: डॉक्टर साहब पर्चे में ये पहली दवा कौन सी है?

डॉक्टर ये दवा नहीं है। मैंने तो पेन चलाकर देख रहा था कि चल रहा है या नहीं....

.

2.डॉक्टर: आप के तीन दांत कैसे टूट गए?

मरीज: पत्नी ने कड़क रोटी बनाई थी।

डॉक्टर: तो खाने से इनकार कर देते।

मरीज: जी, वही तो किया था.....

3.डॉक्टर:घबरा मत रमेश! यह बहुत छोटा ऑपरेशन है।

मरीज: पर मेरा नाम रमेश नहीं है।

डॉक्टर: पता है रमेश मेरा नाम है।.....

4. डाक्टर: बेहोश मरीज को देखकर.....यह तो मर गया है!

मरीज़: होश में आकर। मैं जीवित हूँ!

मरीज की पत्नी अपने पति से: कुछ तो सोच समझकर बोला कीजिये, इतने बड़े डॉक्टर हैं, झूठ बोलेंगे क्या?.....

निधि धीमान कक्षा दसवीं।

मोर

भोर भयो, बिन शोर।

मन मोर, भाव विभोर।

रंग रंग है रंगा, नीला भूरा श्याम सुहाना,

मनमोहक मोर निराला ।

रंग है पर राग नहीं।

विराग का विश्वास यही।

न चाह, न वाह, न आह,

गूंजे घर घर आज भी गान।

जीये तो मुरली के साथ,

जाए तो मुरलीधर की ताज।

जीवात्मा ही विश्वात्मा,

अंतर्मन की अनन्त धारा,

मन मंदिर में उजियारा सारा।

बिन वाद विवाद संवाद,

बिना सुर स्वर संदेश।

मोर, चहकता, मौन महकता।

वंशिका, कक्षा छठी

शेर

जंगल में रहता है ,नहीं किसी से डरता है शेर।

बाल सुनहरे,चौड़ा सीना, पूंछ उठा उठा कर चलता शेर।

जब दहाड़ता डरते सब, थर थर कांपते जब,

आई शामत भागे जल्दी चीतल हिरण।

ये कहते

मांसाहारी यह कहलाता,

फल सब्जियां नहीं यह खाता,

कभी-कभी यह झुंड बनाकर

हाथी से जा टकराता।

जंगल में रहता है नहीं किसी से डरता शेर।

गणेश ,कक्षा छठी

1.तीन पैर वाली तितली नहा धोकर कर कढ़ाई से निकली?

समोसा

2.प्रथम कटे तो पानी बने। मध्य काटे तो काल। अंत कटे तो काज, बोलो क्या है मेरा नाम ?

काजल

3.ऐसी कौन सी चीज़ है जो है तो सोने की, लेकिन सोने से बहुत सस्ती है?

चारपाई

4.मध्य कटे तो बनता कम। अंत कटे तो बने कल। लेखन में आता काम ?

कलम।

5.वह क्या है जो जितनी ज्यादा बढ़ती है, उतनी ही कम होती है ?

उम्र।

6.हाथ में हरा, मुँह में लाल। क्या चीज़ है बताओ प्यारे लाल ?

पान

झूठी शान

खुशियाँ कम और अरमान बहुत है,

जिसे देखो परेशान बहुत हैं।

करीब से देखा तो निकला रेत का घर,

मगर दूर से इसकी शान बहुत है।

कहते हैं सच का कोई मुकाबला नहीं,

मगर आज झूठ की पहचान बहुत है।

मुश्किल से मिलता है शहर में आदमी,

यूँ तो कहने को इंसान बहुत है।

अंशिका ठाकुर कक्षा आठवीं

घड़ी

टिक टिक करना मेरा काम,

तीन सूइयों का है संग्राम,

घड़ी मैं कहलाती हूं,

सबको समय बतलाती हूं,

सेकंड की सुई लंबी कहलाती,

मिनट की सुई इठलाती आती,

60 मिनट में घंटा बनाया,

सबसे छोटी सुई ने चक्र घुमाया,

अलार्म भी अब टन-टनाया,

एक से बारह का राज सुनाया।

शिवांश कक्षा छठी

1.अध्यापक: इतने दिन कहाँ थे, स्कूल क्यों नहीं आए?

गोलू बर्ड फ्लू हो गया था मैडम.....

टीचर : पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं।

गोलू: इंसान समझा ही कहा आपने ! रोज़ तो मुर्गा बना देती हो....

2.एक भिखारी को एक सौ रुपए का नोट मिला। वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया।

₹1500 का बिल आया। उसने मैनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है। मैनेजर ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया और छूट गया.....

. पहेलियां

1. काली काली मां, लाल लाल बच्चे, जिधर जाए मां उधर जाए बच्चे?

ट्रेन

2. दो सुंदर लड़के, दोनों एक से, एक बिछड़ जाए तो दूसरा काम ना आए?

जूते

3. पढ़ने लिखने में दोनों में ही मैं आता काम, पेन नहीं, कागज नहीं, बताओ क्या है मेरा नाम?

चश्मा

4. कौन सी ऐसी जगह है जहां अमीर और गरीब आदमी दोनों को कटोरी लेकर खड़ा रहना पड़ता है?

गोलगप्पे की दुकान

5. तुम बुलाओगे मैं आ जाऊंगी, मैं भाड़ा दूंगी, ना किराया दूंगी, घर के हर कमरे में रहूंगी, पकड़ न मुझको तुम पाओगे, मेरे बिना तुम रह ना पाओगे, बताओ मैं कौन हूं?

हवा

बाज़

ऊंचाई में उड़ने वाला,

तेज नजर वह रखने वाला,

है वह पक्षी बड़ा निराला।

नहीं है वह भोला भाला,

कहते उसको मांसाहारी,

है वह एक बड़ा शिकारी।

कहीं घूम रहा है वह आज,

नाम है उसका बाज़।

अक्षांश कक्षा छठी

तितली।

सुबह सवेरे आती तितली,

फूल फूल पर जाती तितली।

रंग बिरंगे पंख सजाए,

सबके मन को भाती तितली।

नायशा कक्षा आठवीं

शिक्षा की ध्वनि

चमकती सुबह की किरणें खिलता हर फूल,

दसवीं कक्षा का सफर ,मिठास भरा खेल।

पढ़ाई की राहों में बढ़ता नया संगीत,

विज्ञान का सागर, गणित का सुरीला गीत।

शिक्षक की मुस्कान, साथी की मिठास,

पेन और पेपर के जंगल ,सफलता का आवास।

सपनों की उड़ान ,परीक्षा के मैदान,

जीवन का सफर ,हर सलाम में भरा है मैदान।

पुस्तकों की महक, कविताओं की ध्वनि,

सोच की ऊंचाई, हर मुश्किल में है आशा की कहानी।

पढ़ाई की राहों में बनता हर सपना,

दसवीं कक्षा का सफर मिठास भरा खेल।

उदय प्रताप सिंह, कक्षा दसवीं

हिंदी पर कविता

जन जन की भाषा है हिंदी,

भारत की आशा है हिंदी।

जिसने पूरे देश को जोड़ रखा है,

वो मजबूत धागा है हिंदी।

हिंदुस्तान की गौरव गाथा है हिंदी,

एकता की अनुपम परंपरा है हिंदी।

जिसके बिना हिंद थम जाए,

ऐसी जीवन रेखा है हिंदी।

जिसने काल को जीत लिया है,

ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी।

सरल शब्दों में कहा जाए तो,

जीवन की परिभाषा है हिंदी।

विषेणिका ठाकुर, कक्षा,–छठी

CHILDREN PERFORMING DURING JANMASHTAMI UTSAV

GLIMPSES OF THE CELEBRATION OF GRAND PARENT'S DAY

संस्कृत

aglasem

विज्ञानस्य चमत्काराः

विज्ञानस्य प्रतिदिनं नूतनाः चमत्काराः पठ्यन्ते श्रून्यन्ते च। अतः तेषां वर्णनम् सर्वथा असक्यम्। यत् किंचित वर्णनम् कुर्त्तु शभ्यते तदेव लिख्यते अंत्र।अद्द कृषि क्षेत्रे सर्वकार्य विद्युतचालितं यन्त्रै भवति वीजानां वपनम्, कण-वुसयोः प्रथक करणम् क्षेत्र सिच्चनम् भू-कर्षणम् अपि सर्वम् यंत्रेः साहयते।गृहे पाकशालामं स्टोव-पाचक गैस साहाय्येन् अनायासामेव सर्वविधः पाकः सिद्धतां याति। वस्त्र क्षालनम् यन्त्रेण वस्त्राणि स्वतः सत्वरं क्षालितानि सन्ति। गृहमार्जन यन्त्राणि, कूलर- हीटर फ्रीजादीनि च कस्य न सूखावधनि?

जल स्थल वायुमार्ग यानानि पश्यतामेव स्थानात् प्लवन्ते। उपग्रह सहाय्येन् संचार साधनानि अतीव सुलभान्ति सन्ति। आकाशवाणी दूरदर्शन द्वारा मनोरंजन साधनानि सरलतया हस्तगतानि तिष्ठंति।

चिकित्सा क्षेत्रे पुरुषस्य नेत्र हृदय यकृतादि सर्वागानाम् अन्य पुरुषस्य शरीरेषु आरोपणं कर्त्तु शक्यते।विज्ञानस्य जन संहारक रूपं व्यक्ता अन्यत् सर्व उपकारक रुप अस्ति। वयं विज्ञानस्य चमत्कारैः सदा उपकृताः भवाम्ः।

देवांश शर्मा, कक्षा नवमी

श्रमस्य महत्त्वम्

शरीरेण मानसिकेन कृतं कर्म -श्रमं इति कथ्यते । श्रमेण विना जीवनं जीवनं नहि । श्रमेण विना न विद्या भवति न द्रव्यं, परिवारे समाजे, राष्ट्रे च श्रमस्य महत्त्वं दृश्यते । आविष्कारकः वैज्ञानिकः शारीरिक-मानसिक-श्रमेण नव-नव पदार्थान् आविष्करोति । श्रमेण विना भोजनमपि दुष्प्राप्यम् भवति । अतएव आशैशवम् एव श्रमं कुर्यात् । अनेन श्रमेण राष्ट्रः समाजः परिवारश्च उन्नतिपथमारोहति ।

श्रमेण लभ्यं सकलं न श्रमेण विना क्वचित् ।

सरलाङ्गुलि संघर्षात् न निर्याति घनं घृतम् ॥

अरमान शर्मा, कक्षा दशमी

सत्संगतिः

सतां सज्जनानां संगतिः । सज्जनानां संगत्या हृदयं विचारं च पवित्रम् भवति । अनया जनः स्वार्थभावं परित्यज्य लोककल्याणकामः भवति । दुर्जनानां संगत्या दुर्बुद्धिः आगच्छति । दुर्बुद्धिः दुःखजननी अस्ति । सज्जनानां संगत्या दुर्जनः अपि सज्जनः भवति । दुष्टदुर्योधनसंगत्या भीष्मोऽपि गोहरणे गतः । ऋषीणाम् संगत्या व्याधः वाल्मीकिः अपि कवि वाल्मीकिः अभवत् । रावणसंगत्या समुद्रः अपि क्षुद्र नदीव बन्धनं प्राप्तः । अतः साध्विदमुच्यते-सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् ।

तमन्ना, कक्षा सप्तमी

वर्षा ऋतु - वर्षा वर्णनम्

वर्षाकाल सुखकरः भवति । अस्मिन् काले विशेषतया कृषकाः प्रसन्नाः भवन्ति । ते कृषिकार्य कुर्वन्ति । अस्मिन् काले आकाशे मेघाः भवन्ति । नभः मेघाछन्नम् भवति । ग्रीष्मकालस्य आतपस्य शान्तिः भवति । सरः जलपूर्ण भवति । पन्थाः कर्दमपूर्णाः नवैः हरितैः तृणैः पृथ्वी आच्छन्ना भवति । मंडूकाः जलाशयेषु गीतं गायन्ति । नभसि इन्द्रधनुः अतीव रमणीयम् दृश्यते । नद्यः जलपूर्णाः प्रवाहपूर्णाश्च भवन्ति

लक्ष्य (कक्षा षष्ठी)

देशभक्ति

यस्मिन् देशे वयं जन्मधारणं कुर्मः स हि अस्माकं देशः जन्मभूमिः वा भवति । जननी इव जन्मभूमिः पूज्या आदरणीया च भवति । अस्याः यशः सर्वेषां देशवसिनां यशः भवति । अस्याः गौरवेण एव देशवसिनां गौरवम् भवति । ये जनाः स्वाभ्युदयार्थ देशस्याहितं कुर्वन्ति ते अधमाः सन्ति । देशभक्तिः सर्वासु भक्तिषु श्रेष्ठा कथ्यते । अनया एव देशस्य स्वतंत्रतायाः रक्षा भवति । अनया एव प्रेरिताः बहवः देशभक्ताः भगत सिंह:, चन्द्रशेखर आजाद प्रभृतयः आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन् । झाँसीश्वरी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप मेवाड़केसरि, शिववीरः च प्रमुखाः देशभक्ताः अस्माकं देश जाता । देशभक्तिः व्यक्ति-समाज -देशकल्याणार्थ परमम् औषधम् अस्ति

आस्था, कक्षा अष्टमी

संस्कृत भाषाया: महत्वम्

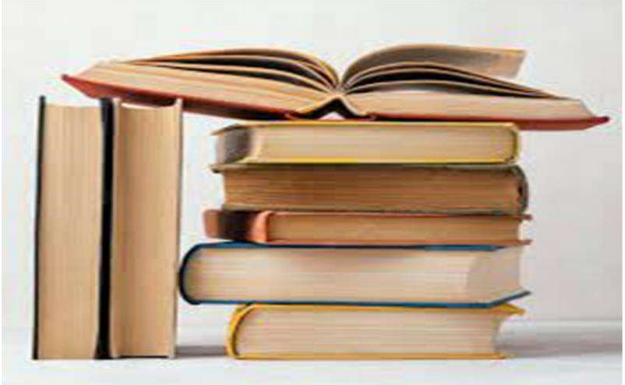

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन्, किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति। संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते, तदेव अद्यतः सहस्रवर्षपूर्वम् अपि आसीत्। संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति । अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति ।

रिजुल, कक्षा सप्तमी

तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचार |
असक्तो ह्याचरन्कर्म परमाप्नोति पुरुषः ||

श्रीमद भगवद् गीता

अध्याय तीन श्लोक क्रम उन्नीस

श्रीमद भगवद गीताका का यह श्लोक छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है |छात्र किसी भी देश का भविष्य होते है और उन्हें मानसिक रूप से सबल और समर्थ बनाना हम सब का कर्त्तव्य है| इस श्लोक में छिपा हुआ ज्ञान छात्रों के लिए उपयोगी है जिस का अर्थ इस प्रकार है -

कर्मफल में आसक्त हुए बिना मनुष्य को अपना कर्तव्य समझ कर निरन्तर कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि अनासक्त होकर कर्म करने से परब्रह्म (परम) की प्राप्ति होती है |

तात्पर्य

भक्तों के लिए श्रीभगवान् परम हैं और निर्विशेषवादियों के लिए मुक्ति परम है | अतः जो व्यक्ति समुचित पथप्रदर्शन पाकर और कर्मफल से अनासक्त होकर कृष्ण के लिए या कृष्णभावनामृत में कार्य करता है, वह निश्चित रूप से जीवन-लक्ष्य की ओर प्रगति करता है | अर्जुन से कहा जा रहा है कि वह कृष्ण के लिए कुरुक्षेत्र के युद्ध में लड़े क्योंकि कृष्ण की इच्छा है कि वह ऐसा करे | उत्तम व्यक्ति होना या अहिंसक होना व्यक्तिगत आसक्ति है, किन्तु फल की आसक्ति से रहित होकर कार्य करना परमात्मा के लिए कार्य करना है | यह उच्चतम कोटि का पूर्ण कर्म है, जिसकी संस्तुति भगवान् कृष्ण ने की है |

नियत यज्ञ, जैसे वैदिक अनुष्ठान, उन पापकर्मों की शुद्धि के लिए किये जाते हैं जो इन्द्रियतृप्ति के उद्देश्य से किये गए हों | किन्तु कृष्णभावनामृत में जो कर्म किया जाता है वह अच्छे या बुरे कर्म के फलों से परे है | कृष्णभावनाभावित व्यक्ति में फल के प्रति लेशमात्र आसक्ति नहीं रहती, वह तो केवल कृष्ण के लिए कार्य करता है | वह समस्त प्रकार के कर्मों में रत रह कर भी पूर्णतया अनासक्त रहता है |

विकास पाठक

प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकसंस्कृत

"TEACH SCOUTS NOT HOW TO GET A LIVING, BUT HOW TO LIVE"

ACTIVITIES CONDUCTED UNDER BHARAT SCOUT AND GUIDE

“कला मनुष्य का अन्तर निहित गुण है।”

“एक भारत श्रेष्ठ भारत” के तहत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति

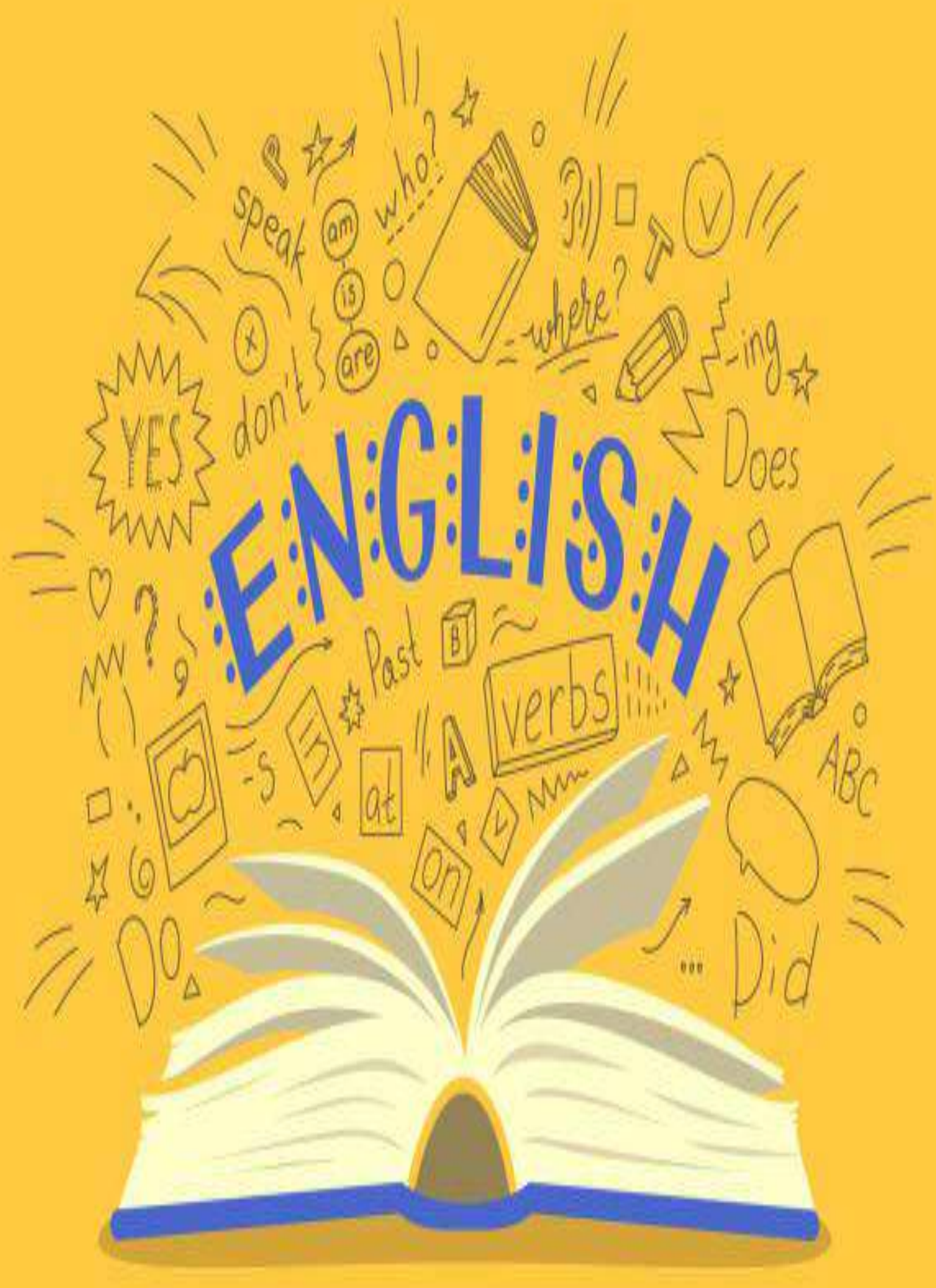

ENGLISH
speak
who?
am
is
are
don't
YES
where?
-ing
Does
Past
B
verbs
A
at
on
-s
ABC
Do
Did

Ice – Cream Man

When summer's in the city , and bricks ablaze of heat ,
The Ice cream man with his little cart goes trodding down the street .
Beneath his round umbrella, oh , what a joyful sight ,
To see him fill the cones with mounds of cooling brown and white .
Vanilla, chocolate, strawberry or chilly things to drink .
From bottles full of frosty fizz , Green , orange , white or pink .
His cart might be a flower bed of roses and sweet peas ,
The way the children cluster round as thick as honey bees .

- Dipali, Class-5

Teamwork

Together we can make our dream work.

Then we'll share the joy of what we've done,
Teamwork, everyone!

It's fun to shoot the basketball through the hop
But if nobody passes then nobody shoots.
And the relay race just can't go on,
If nobody wants to pass the baton.

We're the parts that make up the whole,
And we've got our eyes on a common goal.
Sometimes it can be a big plus,
When a you or a me becomes an us !

- Diya Thakur, Class - 5

Kendriya Vidyalaya Sandhole

In Sandhole's embrace kendriya vidyalaya stands tall,

Where minds blossom and dream enthrall.

A haven of learning where knowledge takes flight,

In every classroom a beacon of light.

Teachers inspire like mentors, they guide,

In the heart of the hills where intellects reside.

Students' eager minds like sponges they soak,

In corridors of curiosity their future spoke.

Kendriya vidyalaya and institution sublime,

In Sandhole's landscape an enduring rhyme.

Friendships and lessons memories unfold,

Sanctuary of education cherished and bold.

In the heart of the hills where intellects shine,

Kendriya vidyalaya,a beacon divine.

Sunaina, Class : XII

VALUE OF TIME

Time is the most powerful weapon in our life . Time is the most precious gift you can present to someone, and it is also a precious gift for yourself. It is essential to understand the value of time and utilise time wisely. Do not hold any grudge against a person if someone hurts you because 'what goes around comes around'. You just need to wait for the perfect time when that person will realise their mistake. value your precious time. Life is very precious. People believe that earning money is everything we need, but we have forgotten the special moments we used to share with our parents and grandparents. Now, when time has passed, we regret missed moments and missed times. Therefore, enjoy the little moments and understand and respect time's value: Value every minute and every second of your life. At the end I say that time is very essential for us .

Aaditya Kaundal, Class : XI

Waves in the sea

The waves in the sea go
Up and down,
Up and down,
Up and down.
The waves in the sea go
Up and down,
All day long.
Sharks in the sea go
Snap,
Snap,
Snap.
Sharks in the sea go
Snap,
All day long.

-Rudra dogra, Class- 1

Do study...

In the quiet hours of the morn,
With books and notes, a journey's born.
Do study, let your mind take flight,
Through knowledge's realm, pure and bright.

Each page turned is a step ahead,
A path of learning, where dreams are fed.
In the library's hush or a study nook,
Unveil the secrets that pages shook.

Do study, for in wisdom's embrace,
Lies the power to conquer time and space.
Let curiosity be your guiding light,
As you delve into knowledge, day and night.

With every equation and historical tale,
A symphony of understanding, set sail.
Do study, let your intellect soar,
To realms unseen, forevermore

Riya, Class-XI

THE CONCEPT OF PARALLEL WORLD

Parallel worlds, a concept that transcends the boundaries of conventional reality, captivates the imagination with the prospect of alternate realities existing alongside our own. In these parallel worlds, divergent possibilities unfold, offering variations of events and outcomes. This intriguing notion stems from theoretical physics and speculative fiction, where the multiverse theory posits the existence of countless universes coexisting but separated by an imperceptible veil.

Within these parallel worlds, one can envision alternate versions of individuals, diverging choices, and distinct destinies. The idea sparks contemplation on the significance of choices and the butterfly effect, where seemingly minor decisions could lead to vastly different outcomes in parallel realities. Each world unfolds its unique tapestry of events, unfolding concurrently with our own, yet detached by an intangible boundary.

While the existence of parallel worlds remains speculative, their allure lies in the endless possibilities they suggest. The concept challenges our understanding of reality, prompting reflection on the nature of existence and the interconnectedness of all potential outcomes. In the realm of fiction, parallel worlds serve as fertile ground for creative exploration, allowing writers and creators to craft intricate narratives that push the boundaries of imagination.

Ultimately, the fascination with parallel worlds stems from the desire to explore the unknown, to unravel the mysteries that lie beyond the confines of our everyday experience. Whether a product of scientific theory or literary invention, the concept of parallel worlds continues to inspire contemplation and captivate the human imagination.

Ayush Thakur, Class : XI

Mountain Top

Tall mountains in the morning sun,

Reaching high, a view that's fun.

They stand strong, like ancient friends,

Tell stories that never end.

Snow on top, so pure and bright,

Nature's work, a beautiful sight.

Rocky paths and trees all around,

Adventure calls, a wild playground.

In the quiet, you can hear,

Nature's song, crystal clear.

Mountains are like a giant hug,

Nature's beauty, forever snug.

Navam Mandhotra ,Class : XI

EARTH DAY POEM

Earth day, Earth day
Comes once a year
But we should make
Our message clear

Love and clean our
Earth each day
Make that plan a
Plan to stay.
Earth day , Earth day
Comes once a year.

Lakshya, Class-6th

THE LOVE–STRUCK LION

A woodcutter lived near a forest with his beautiful daughter. One day he took his daughter with him to help him chop some wood. Suddenly, a lion came there. He wishes to marry her. So, the next day, the lion went to the woodcutter's house and said, "I would like to marry your daughter." Now the woodcutter, who was afraid of the lion, could not say 'no'. But he had a clever idea. He said to the lion, "You may marry my daughter. But first, go and cut your sharp teeth and nails, for she is scared of them." The lion rushed off. Within no time, he got his nails and teeth cut. When the woodcutter saw the lion without his sharp teeth and nails, he was no longer afraid of him. He beat the foolish Lion and drove him away.

MORAL:- ***Think before you leap.***

-Tamanna Sharma ,Class-7th

AMAZING FACTS!

1) Pandas love to be alone

2) A single ant can carry 50 times its own body weight

3) Snakes cannot blink as they do not have eyelids

5) A starfish does not have a brain

6) Kangaroos cannot move backward

7) An octopus has three hearts and the color of its blood is blue

8) Penguins can swim because they have long legs

9) Snails can sleep for as long as up to three years

10) Horses and cows sleep while standing up

-Khushi Class 7th

A CLEVER BOY!

A young boy enters a barber shop... and the Barber whispers to his customer, "This is the dumbest Kid the world. Watch while I prove it to you.

The barber puts a dollar bill in one hand and two quarters in the other, then calls the boy over and asks, "Which do you want, son ? The boy takes quarters and leaves.

"What did I tell you?" said the barber. “That kid never learns!"

Later, when the customer leaves, he sees the same young boy coming out of the ice cream store.

"Hey son, May I ask you a question?" Why did you take the quarters Instead of the dollar bill?"

The buy licked his cone and replied, "Because the day I take the dollar, the game is over!"

- Molika,Class-7th

GUESS WHAT I AM ?

1) I am yellow

I am black

I am small

I am Furry

I have stripes

I have wings

You may wonder what I am

Guess if you can...

I am Bee!

2) I am green

I am long

I can wriggle

I eat leaves

I have Hairs

And lots of legs

You may wonder what I am

Guess if you can...

I 'm a caterpillar

Ridhima ,Class-7th

RIDDLES

1. Give me food

And I will die

Give me water

And I will die

Ans-Fire

2. I get wet When drying

Ans-Towel

3. What goes up but

Never comes back down

Ans-your Age

4.What is always in

Fornt of you but

Can't be seen?

Ans-The future

5.I'm tall when I' m Young,

And I 'm short

When I 'm old,

What Am I.

Ans-candle

6. You will buy me to eat

But never eat me

What am I?

Ans- A plate

-Jaanvi Barwal, Class -7th

THE MEN IN WHITE

Watching him button up

Is a moment of pride

The spotless white shirt makes him look bolder.

And also the black gold on his shoulder.

Badges where their hearts pound

A name tally on the right is always found.

The glistening silver buckle on the belt,

A sense of duty can be easily felt.

Called them in white.

Standing on the deck, saluting with pride.

Intrepid to protect the seas,

They are always present in people's hearts and enemies mind near or far.

They are one of the greatest heroes of this country

Their effort is laudable! Oh undoubtedly!

I 'am a naval daughter

And yes! I say that proudly.

-Aastha ,Class-8th

WOMEN EMPOWERMENT

"*Empowerment of women leads to development of a good family, good society and ultimately a good nation" Dr. A.P.J. Abdul Kalam*

Women empowerment is made up of the word "women and 'empowerment 'Empower mean to stand for giving authority and power to women. It mainly refers to practice of making women independent so that they can make their own decisions as well as handle their lives without any restrictions. The main motive of women empowerment is to help them stand equally with men. Empowering women is a big responsibility, but it's also vital for gender equality. Furthermore, society benefits when women are treated with respect and are not treated as second-class citizens. Women used to be limited in their houses and were not allowed to leave the house for employment before, but now things have drastically changed.

Women empowerment means being given equal rights to females in their lives, freedom of decision-making, education, employment not only in our society and workplace, but also in our family and home.

Alisha ,Class-XI

In the face of trials, stand tall and true,

Never surrender, skies may be blue.

Through shadows loom, and challenges steep,

Hold fast to hope , your dreams to keep.

When paths are rough and burdens grow,

Persevere with strength that you know.

For in each seatback, a lesson lies.

Never give up, let determination rise.

Through the darkest night and stormy weather,

Believe in yourself, endeavour together.

With each seat back, let springiness shines,

A tale of persistence a journey divine.

No mountain too high , no goal too grand.

With unwavering spirit, you'll understand.

In the drapery of time, your story unfurls,

Never give up , as you conquer the world.

Siya Thakur ,Class XII

ENVIRONMENT

The environment with treasure

All so countless to measure.

Fish and whales in the deep blue water

Life in the sea so alive.

Grassland and forest with terrestrial life.

Cold freezing mountain peaks.

And hot tiring desert.

Life among the trees and sands, so alive .

sky so blue with air so clean.

Only sun, moon and stars to see .

Eagles and vultures take their turn.

Life in the sky so alive .

Priyanka Thakur, Class: XII

SELF STUDY

Self study is a very important part of the learning. It referred to studying without direct supervision or attendance in a classroom. It's like planting a seed of knowledge that you yourself water and nurture which eventually grown into a tree of wisdom.

when you study by yourself, you get to understand things at your own face .when you study alone ,you can speed up or slow down as you wish. It also a law you to explore your interest . you can read more about the topic that Catch your interest and less about those that do not . It build self confidence too, when you find solution to problem on your own you feel proud of yourself. This help to build your confidence . It teaches us to be independent, when you study by yourself you learn to rely on yourself for understanding and memorizing . It also improves your focus and concentration . Self study is also great way to save time you don't have to wait for others to catch up or slow down for others . In conclusion self study is a very important part of learning that help you understand better. So believe your interest and confidence .

Aaditya jamwal , Class : XII

CRAVINGS.

I scattered few crumbs

Waited a while, then he snuck

I thought he would tire his bill

To load his Tum.

To my amazement

Babbler just cared for one.

Signalling to his mates

That feast has begun.

I wonder what a man could have done?

If he had encountered riches akin?

Would he care to share some?

But I realised a man sans that trait

He would never care for a chum.

Submerged in cupidity

Man's mind ever dwell in slum.

These unquenched desires

Shall he ever overcome?

-Sumit Kumar (TGT-WE)

"ITS NOT, WHETHER YOU GET KNOCKED DOWN; IT'S WHETHER, YOU GET UP"

CHILDREN PARTICIPATING IN VARIOUS GAMES AND SPORTS CONDUCTED ON ANNUAL SPORTS DAY

"CONTINUOUS EFFORT-NOT STRENGTH OR INTELLIGENCE-IS THE KEY TO UNLOCKING OUR POTENTIAL"

CHILDREN PARTICIPATING IN VARIOUS GAMES AND SPORTS CONDUCTED ON ANNUAL SPORTS DAY

"NOTHING IS GIVEN, EVERYTHING IS EARNED"

CHILDREN PARTICIPATING IN VARIOUS GAMES AND SPORTS CONDUCTED ON ANNUAL SPORTS DAY

SCIENCE

"The Wonders of Quantum Mechanics"

Physics, the fundamental science that explores the mysteries of the universe, encompasses various fascinating branches. Among them, quantum mechanics stands out as a captivating realm, challenging our conventional understanding of reality.

At its core, quantum mechanics delves into the behavior of subatomic particles. Contrary to classical physics, where objects follow predictable paths, quantum particles exhibit probabilistic behavior, existing in multiple states simultaneously until observed. This phenomenon is encapsulated in Schrödinger's famous cat thought experiment, illustrating the bizarre nature of quantum superposition.

Furthermore, entanglement, another cornerstone of quantum mechanics, showcases particles' interconnectedness, regardless of distance. This phenomenon has profound implications for communication and computing technologies, paving the way for quantum computers that could solve complex problems at unparalleled speeds.

In conclusion, delving into the realm of quantum mechanics not only unveils the enigmatic behaviors of particles but also promises revolutionary advancements in technology. As students of physics, embracing the intricacies of quantum mechanics opens doors to a world where the boundaries of possibility are continually expanding.

Dhruv Jamwal, Class-11

CHANDRAYAAN-3

Chandrayaan-3 is India's ambitious space mission which has made India proud. It was a successful space mission aimed to conduct a soft landing at the lunar south pole of the moon through the Vikram Lander. The spacecraft is also equipped with a Rover Pragyan consisting of payloads to study the moon's surface. Apart from this, there were 9 sensors in the Lander.

Talking about the Payloads, there were 4 payloads in the lander namely ChaSTE, ILSA, RAMBHA, and LRA. 2 Rover payloads were APXS and LIBS. The propulsion module also contains a payload i.e. SHAPE. These payloads are designed to study the moon's surface.

Chandrayaan-3 was active for 14 Earth days in the presence of the sun. After which, the Lander and the Rover were kept to sleep on 2 September because they could not function in the absence of sunlight. Later, efforts were made to wake Lander and Rover when the sunlight hit the moon's surface. But ISRO revealed that there were no signals from the Lander and Rover.

Despite this, the project was a successful one and it has marked the name of India in Golden words in the history of Space.

Hon'ble Prime Minister of India has named the landing spot of Chandrayaan-3 as Shiv Shakti Point.

Muskan, Class-9

ALBERT EINSTEIN

Albert Einstein (1879-1955) was a renowned theoretical physicist. His contributions to the field of physics include the development of the theory of relativity, with the famous equation E=mc^2, and his work on the photoelectric effect, which laid the foundation for quantum theory. Einstein received the Nobel Prize in Physics in 1921. Apart from his scientific achievements, he was an outspoken advocate for civil rights, pacifism, and humanitarian causes.Einstein was born in Germany and later became a Swiss and American citizen. He played a crucial role in the Manhattan Project during World War II, advising on the development of the atomic bomb but later regretted the potential for destructive use of atomic energy.

Einstein's iconic appearance, with his wild hair and distinctive mustache, has become a symbol of scientific genius. His contributions to both physics and broader intellectual discourse have left an enduring legacy.Einstein was a professor at the Institute for Advanced Study in Princeton, New Jersey, from 1933 until his retirement in 1945. Despite his immense contributions to physics, he spent the latter part of his life searching for a unified field theory, an attempt to reconcile electromagnetism and gravity. However, this quest remained unfulfilled.

His influence extended beyond academia, with Einstein's name often synonymous with intelligence. He received various honors and awards, including the Copley Medal and the Time Person of the Century title in 1999. Despite his fame, Einstein remained humble, emphasizing the importance of curiosity and imagination in scientific discovery.

Alisha, Class-11

SCIENCE IN OUR DAILY LIVES

Science plays a crucial role in our daily lives, often in ways that we may not even realize. From the moment we wake up to the time we go to bed, science influences almost every aspect of our lives.

In the morning, we rely on the science of chemistry when we brush our teeth with toothpaste that contains fluoride, which helps prevent tooth decay. We also benefit from the science of biology when we eat breakfast, as our bodies break down the food using enzymes and other biological processes to extract the nutrients we need to start the day.

Throughout the day, we interact with technology that is the result of advancements in science. From the smartphones we use to communicate to the cars we drive, science has played a crucial role in developing these technologies. For example, the GPS technology that guides us to our destination relies on the principles of physics and mathematics.

Even when we relax in the evening, we are surrounded by products and technologies that are the result of scientific advancements. Whether we are watching TV, using the internet, or even just turning on a light, science is at work behind the scenes, making our lives more comfortable and convenient.

In conclusion, science is an integral part of our daily lives, impacting everything from our health and well-being to the technology we use. By understanding and appreciating the role of science in our lives, we can better appreciate the world around us and the incredible advancements that have been made possible through scientific discovery.

By Alisha class 11

1. **I'm the body's control center. What am I?**
2. **I'm a slippery creature that lives in the water and changes my color. What am I?**
3. **I have a hard shell and live in the ocean. People love to eat me. What am I?**
4. **I help plants stand tall and soak up sunlight. What am I?**
5. **I'm the largest mammal on Earth, and I love to swim in the ocean. What am I?**
6. **I'm the powerhouse of the cell. What am I?**
7. **I have wings, six legs, and love to collect nectar. What am I?**
8. **I'm a slithery reptile without legs. What am I?**
9. **I'm the process that turns a caterpillar into a butterfly. What am I?**
10. **I'm the home for fish and other aquatic creatures. What am I?**

-S.K.Sandhu (PGT-Biology)

ANSWERS

1. The brain. 2. A chameleon.3. A crab 4. Stem.5. A blue whale.
6. Mitochondria.7. A bee. 8. A snake 9. Metamorphosis
10. Coral reef.

GLIMPSES OF ACTIVITIES CONDUCTED UNDER NATIONAL SCIENCE DAY AND OTHER EVENTS

वास्तविक दुनिया के अनुभव से सीखना

वार्षिक शैक्षिक भ्रमण के दौरान विद्यालय के छात्र छात्राएं सी.एस.आई.आर.,आई एच.बी.टी, पालमपुर के भ्रमण पर

HEALTH AND FITNESS

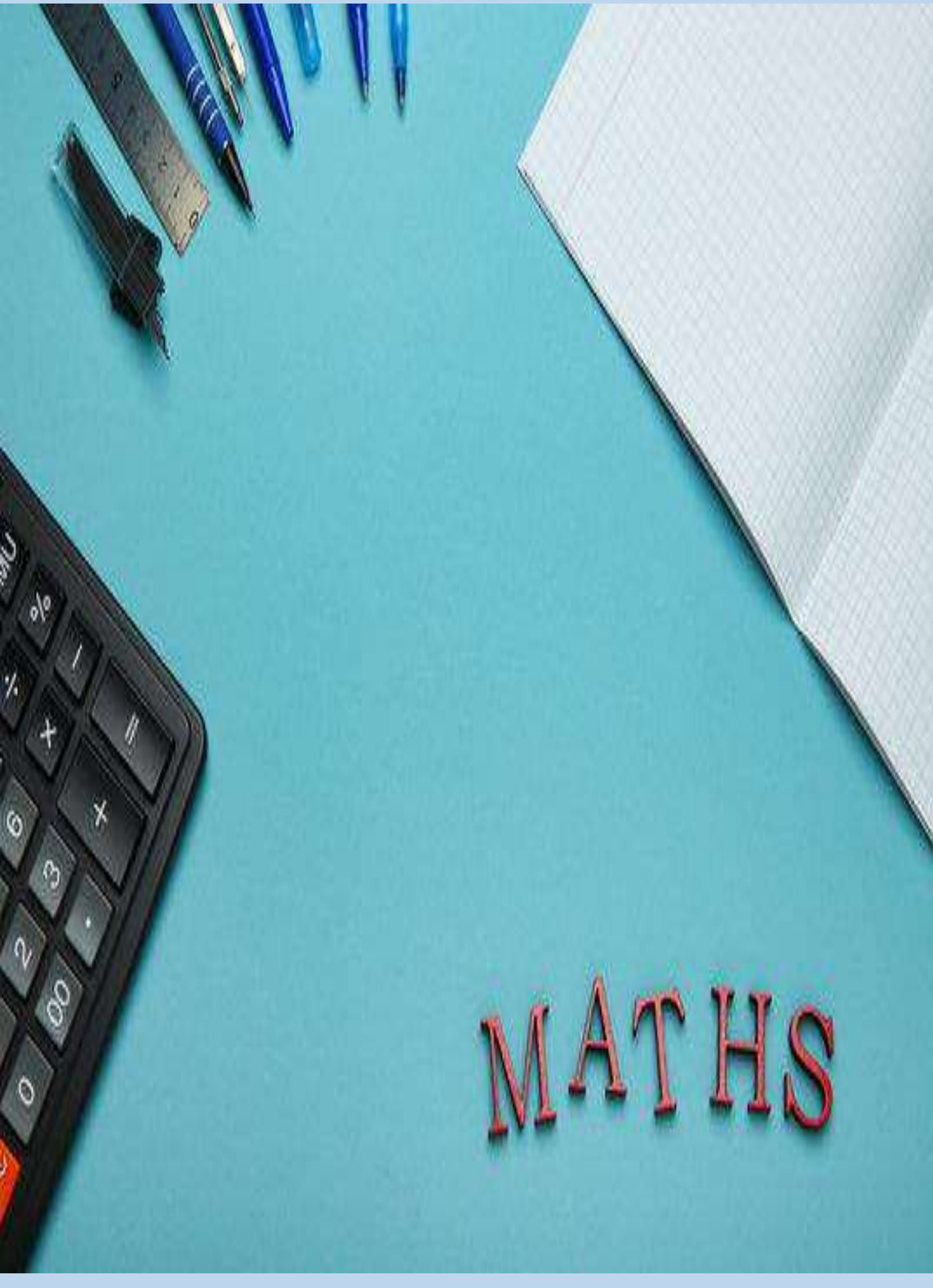
MATHS

LIFE OF GREAT INDIAN MATHEMATICIAN

Srinivasa Ramanujan was a great Indian mathematician. He is counted among the greatest mathematicians of modern times. He was the second Indian to become a member of the Royal Society and the first to become a member of Trinity College in Cambridge. He died at a very young age, but he left behind many great achievements. Based on his talent and passion, he made wonderful inventions in mathematics and simultaneously illuminated the name of India in the whole world.

Ramanujan was born on December 22, 1887, in the village of Kumbakonam, Tamil Nadu, to a Brahmin family. His father worked as a sari store clerk, while his mother was a homemaker who sang at a neighbouring temple. Ramanujan's intellectual growth as a youngster differed from that of other children. Ramanujan did not learn to talk until he was three years old. As a result, his parents wondered if he was mentally ill.

His talent began to influence other students and professors at school. During his school years, he not only studied college-level mathematics but also guided college students in trigonometry. He received a Subramaniam scholarship for good grades in math and English after passing the high school examination, and he was also recognized for further college education. The principal of his school had even found that the school's examinations were meaningless to Ramanujan.

At 32, Ramanujan died at Kumbakonam, India, on April 26, 1920. Hepatic amoebiasis, an intestine ailment, was most likely the cause of his death.

-Anil Kumar Pathania (TGT-Maths)

Activities performed by Students on the occasion of National Mathematics Day

Visit of Hon'ble D.C. Gurugram Region

Shri Varun Mitra on

9th November 2023

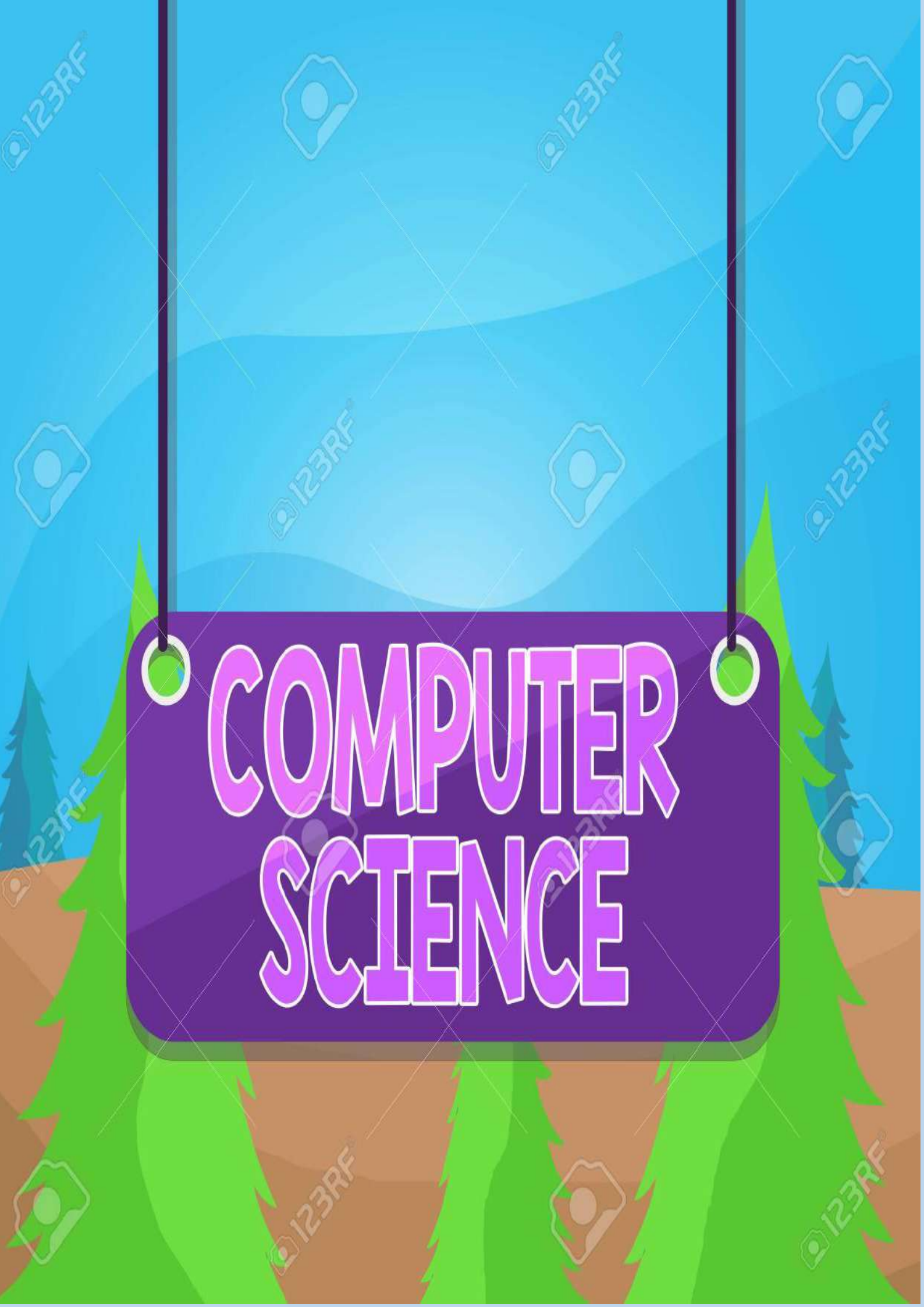
COMPUTER
SCIENCE

ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Artificial Intelligence is composed of two words **Artificial** and **Intelligence**, where Artificial defines *"man-made,"* and intelligence defines *"thinking power"*, hence AI means *"a man-made thinking power."*

In today's world, technology is growing very fast, and we are getting in touch with different new technologies day by day.

Here, one of the booming technologies of computer science is Artificial Intelligence which is ready to create a new revolution in the world by making intelligent machines.The Artificial Intelligence is now all around us. It is currently working with a variety of subfields, ranging from general to specific, such as self-driving cars, playing chess, proving theorems, playing music, Painting, etc.

Artificial Intelligence is not just a part of computer science even it's so vast and requires lots of other factors which can contribute to it. To create the AI first we should know that how intelligence is composed, so the Intelligence is an intangible part of our brain which is a combination of **Reasoning, learning, problem-solving perception, language understanding, etc**.

Artificial Intelligence has various applications in today's society. It is becoming essential for today's time because it can solve complex problems with an efficient way in multiple industries, such as Healthcare, entertainment, finance, education, etc. AI is making our daily life more comfortable and fast.

-PREETI SINGH, PGT(CS)

"Nothing is pleasanter than exploring the library"

Glimpses of Library

ANNUAL ACADEMIC INSPECTION

2023-24

Art Gallery

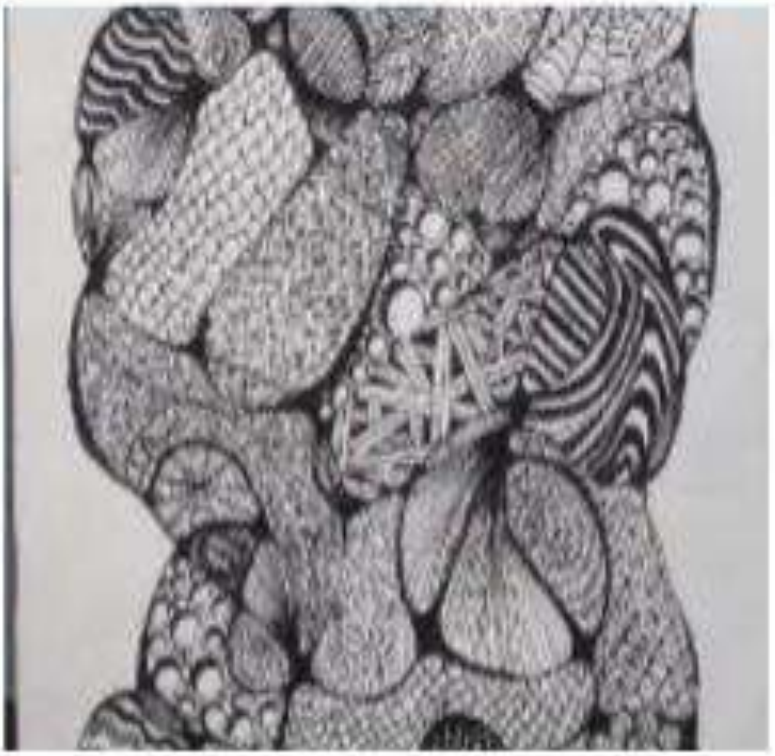

केन्द्रीय विद्यालय संधोल सुर्खियों में

केंद्रीय विद्यालय संधोल ने 60 वर्ष पूर्ण होने पर मनाई हीरक जयंती

केंद्रीय स्कूल में निपुण कार्यक्रम आयोजित

दीपक कुमार ने जीता कुश्ती दंगल

केंद्रीय विद्यालय संधोल में मनाया गया ग्रैंड पेरेंट्स डे एवम् संगठन स्थापना दिवस

Kendriya Vidyalaya Sandhole hosted a meeting on NIPUN on 15th March,2024.

OUR PRIDE (CLASS 10TH BATCH 2022-23)

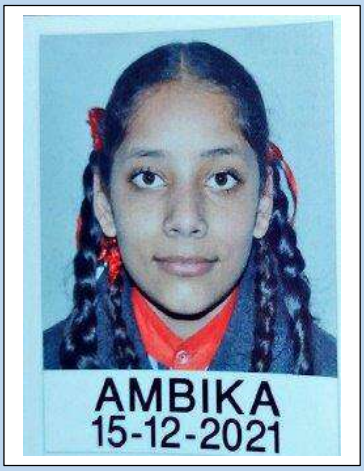

AMBIKA

POSITION: I

PERCENTAGE: 91.60%

SAKSHAM SHARMA

POSITION: II

PERCENTAGE: 90.40%

KRISH THAKUR

POSITION: III

PERCENTAGE:87.00%

CLASS 10TH BATCH 2023-24

CLASS 12TH BATCH 2023-24

THANK YOU
IT ALWAYS SEEMS IMPOSSIBLE UNTIL IT IS DONE